नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत

अमेरिका का पाकिस्तानी आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट पर प्रतिबंध लगाना दरअसल भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत है. इससे पाकिस्तान हैरान और परेशान है. पहलगाम पर आतंकी हमले की जिम्मेदारी लेने वाले इस कुख्यात संगठन पर प्रतिबंध सिर्फ औपचारिक कार्रवाई नहीं है. यह उस दोहरे खेल पर करारा तमाचा है, जो पाकिस्तान वर्षों से खेलता आया है. पहलगाम में निर्दोषों की हत्या के बाद अमेरिका ने जो कदम उठाया, वह बताता है कि अब आतंकवाद के लिए कोई 'सुरक्षित ठिकाना' नहीं बचेगा, चाहे वह पाकिस्तान की जमीन ही क्यों न हो .टीआरएफ को लश्कर-ए-तैयबा का नया चेहरा माना जाता है. यह संगठन जम्मू-कश्मीर में खून-खराबे का जिम्मेदार है. सवाल यह है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की छाया में पल रहे इन गिद्धों को कब तक सहारा मिलेगा? अमेरिका का यह कदम भारत की उस सख्त नीति को पुष्ट करता है, जो बरसों से कहती रही है कि आतंकवाद को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.

इस कार्रवाई के पीछे भारत की कूटनीतिक मेहनत है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर विदेश मंत्री एस. जयशंकर तक, भारत ने दुनिया को यह समझाया कि आतंकवाद सिर्फ भारत की समस्या नहीं है, बल्कि वैश्विक शांति के लिए कैंसर है. आज अमेरिका का यह कदम भारत की 'नो टॉलरेंस' नीति की जीत है. यह वह कूटनीतिक आक्रामकता है, जिसने पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बेनकाब किया.

पहले ही एफएटीएफ के शिकंजे में फंसा पाकिस्तान अब और घिर गया है. सवाल साफ है कि,क्या पाकिस्तान अब भी इन संगठनों को पनाह देगा ? अमेरिका की कार्रवाई से संदेश स्पष्ट है,या तो आतंक का कारोबार बंद करो, या अंतरराष्ट्रीय अलगाव के लिए तैयार रहो. पाकिस्तान के बहाने अब काम नहीं चलेंगे। दुनिया अब न तो 'अच्छे आतंकवाद-बुरे आतंकवाद' का भ्रम मानती है, न ही 'स्वतंत्रता सेनानी' का झूठा राग.

हालांकि खेल यहीं खत्म नहीं होता. पाकिस्तान को अपनी जमीन पर आतंक के ढांचे को जड़ से खत्म करना होगा. वरना, टीआरएफ की जगह कल कोई और नाम सामने होगा. प्रतिबंध तभी असरदार होंगे, जब पाकिस्तान के खिलाफ लगातार आर्थिक, राजनीतिक और सामरिक दबाव कायम रखा जाएगा. कुल मिलाकर टीआरएफ पर अमेरिकी प्रहार एक संकेत है कि,भारत की आवाज अब वैश्विक नीति का हिस्सा है. यह सिर्फ आतंकियों पर कार्रवाई नहीं, पाकिस्तान की धूर्तता पर भी प्रहार है. दुनिया ने तय कर लिया है,आतंक का हर चेहरा मिटेगा, चाहे वह कहीं भी पैदा हुआ हो. भारत की यह कूटनीतिक जीत आने वाले समय में आतंकवाद के खिलाफ और सख्त कदमों की नींव है. हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि केवल प्रतिबंध लगाना ही पर्याप्त नहीं है. पाकिस्तान को अपनी धरती पर आतंकवाद के बुनियादी ढांचे को पूरी तरह से खत्म करने के लिए ईमानदारी से काम करना होगा. अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी इस प्रक्रिया में पाकिस्तान पर लगातार दबाव बनाए रखना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह अपनी प्रतिबद्धताओं का पालन करे. इसके अलावा भारत को भी अपनी आंतरिक सुरक्षा को लेकर निरंतर सतर्कता रखनी होगी. बहरहाल,जो भी हो अमेरिका का यह कदम स्वागत योग्य कहा जाएगा.

नशा मुक्त युवा, विकसित भारत का सारथी

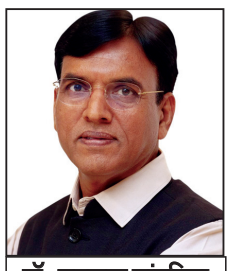

डॉ. मनसुख मांडविया
(केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री, भारत सरकार)

> देश को विकसित राष्ट्र बनाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी हमारी युवा शक्ति की है. काशी में आयोजित होने वाला %युवा आध्यात्मिक समिट% इस लक्ष्य की दिशा में केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय चेतना का प्रारंभ स्थल बनेगा. यह नशे के विरुद्ध राष्ट्रव्यापी अभियान को नई दिशा और ऊर्जा देगा. साथ ही, युवाओं में नैतिक मूल्यों, सामाजिक ज़िम्मेदारी और आत्म-संयम का ऐसा भाव जागृत करेगा, जो न केवल उन्हें अपने जीवन में सार्थकता देगा, बल्कि देश को भी आत्मनिर्भर, सशक्त और विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का माध्यम बनेगा. काशी की पवित्र धरती से उठने वाली यह पुकार, हर युवा के मन में जागृति और देशभक्ति का नया प्रकाश भर देगी और यही संकल्प 2047 के विकसित भारत की मजबूत नींव बनेगा.

कहा जाता है कि अगर किसी देश को आगे बढ़ना है, विकसित होना है, तो उसका युवा सशक्त और समर्थ होना चाहिए. विश्व में भारत ऐसा देश है, जहां सबसे अधिक युवा आबादी है. हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि अगर भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है, तो उसमें सबसे महत्वपूर्ण भूमिका हमारी युवा शक्ति ही निभाएगी. देश के विकास की रफ्तार युवाओं की ऊर्जा, विचार और संकल्प से ही तय होती है.

लेकिन आज राष्ट्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती है, अपने युवाओं को नशे की लत से दूर रखना. वर्तमान में युवा वर्ग नशे के घेरे में आता जा रहा है. यह नशा न केवल उनके स्वास्थ्य बल्कि करियर, सपनों और देश की ताकत को भी प्रभावित कर रहा है. एक स्टडी के मुताबिक, भारत में 10 से 24 वर्ष की उम्र के हर 5 में से 1 युवा ने कभी न कभी ड्रग्स का सेवन किया है. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की रिपोर्ट के अनुसार, 8.5 लाख से अधिक बच्चे ड्रग्स की लत का शिकार हैं. ये आंकड़े बेहद डरावने और चिंतन योग्य हैं.

ड्रग्स और अन्य नशीले पदार्थों के खात्मे के लिए भारत सरकार ने पिछले 11 वर्षों में कई प्रभावी कदम उठाए हैं. 2020 में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने %नशा मुक्त भारत अभियान% की शुरुआत की. नशे की लत को रोकने और पीड़ितों की सहायता के लिए सरकार ने राष्ट्रीय नशा मुक्ति केंद्र और आउटरीच-कम-ड्रॉप-इन सेंटर की स्थापना की. स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता अभियान चलाए गए. नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने ड्रग माफिया के विरुद्ध सशक्त ऑपरेशन्स किए. साथ ही, देशभर में युवाओं की काउंसलिंग हेतु हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर भी स्थापित किए गए. इसके अलावा विभिन्न राज्यों में भी स्थानीय प्रशासन, गैर-सरकारी संस्थाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं के सहयोग से नशे के विरुद्ध कई बड़े अभियान चलाए जा रहे हैं.

भारत इस लड़ाई को और मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है. इसी कड़ी में माय भारत ने एक बड़ी पहल की है. बाबा काशी विश्वनाथ की धरती से 19 से 20 जुलाई तक युवा आध्यात्मिक समिट का आयोजन किया जा रहा है. इसका थीम होगा नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत. वाराणसी के पावन घाटों पर आयोजित होने वाले इस समिट का उद्देश्य, एक ऐसी राष्ट्रीय नीति बनाना है, जो युवाओं के नेतृत्व में नशा मुक्ति अभियान को सशक्त बनाए.

इस समिट में देशभर की 100 से अधिक आध्यात्मिक संस्थाओं के युवा प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है. साथ ही स्वास्थ्य मंत्रालय, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और अन्य महत्वपूर्ण संस्थाएं भी इसमें सहभागिता करेंगी. इसके माध्यम से युवाओं को एक ऐसा मंच मिलेगा, जहां वो अपनी आवाज़ को सरकार और नीति निर्माताओं तक पहुँचा सकेंगे.

इस समिट में देश की नशे के विरुद्ध लड़ाई को मजबूत करने के लिए विभिन्न सेशन्स आयोजित किए जाएंगे. इसमें नशे की प्रवृत्ति, इसकी प्रकृति, प्रकार, पीड़ितों की जनसांख्यिकी, अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव और सरकार तथा माय भारत के युवा स्वयंसेवकों की भूमिका जैसे विषयों पर गहन विचार-विमर्श और चर्चा होगी. साथ ही नशे की लत से उबरने वाले युवाओं की प्रेरक कहानियां और उनके अनुभव भी साझा किए जाएंगे, ताकि अन्य युवा उनसे प्रेरणा ले सकें.

अंत में एक काशी डिक्लेरेशन जारी किया जाएगा, जो अगले पांच वर्षों के लिए नशा मुक्ति अभियान का रोडमैप होगा. इसमें यह तय किया जाएगा कि युवाओं को किस प्रकार नशे से दूर रखा जाए, नशे की गिरफ्त में आए लोगों की कैसे सहायता की जाए और पूरे देश में जागरूकता अभियान को किस तरह तेज किया जाए.

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी हमेशा देश की अमृत पीढ़ी के सपनों का भारत बनाने की बात करते हैं. उनके विजन के अनुरूप, युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा उठाया गया यह कदम, एक समग्र और प्रभावशाली पहल का उदाहरण बनेगा. यह पहल न केवल युवाओं को नशे से दूर रखने में मदद करेगी, बल्कि उन्हें राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा में भी सशक्त भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करेगी.

नेता हैं या सुनहरे सपनों के सौदागर!

नेता सपनों के सौदागर या ड्रीम सेलर हुआ करते हैं. जहां कोई चुनाव निकट आया, लुभावने सपने दिखाने का कार्यक्रम शुरू हो जाता है. जिस पिछड़े इलाके के भूखे गरीब के लिए रोटी चांद का टुकड़ा है उसे मृगमरीचिका में उलझाना नेताओं के लिए काफी आसान है. वह भाषण में किए गए चुनावी वादों के भ्रमजाल में मछली के समान फंस जाता है और सभा से सम्मोहित होकर अपने घर लौटता है. मतदाता बेवकूफ नहीं बल्कि भोलाभाला और भावुक होता है. नेता ने बाजीगर के समान डमरू बजाया तो मजमा लगते देर नहीं लगती. मदारी भी सांप और नेवले की लड़ाई दिखाने का झांसा देकर तमाशबीनों को लटकाए रखता है फिर पैसा बटोर कर चल देता है. न टोकरी से सांप बाहर आता है न झोले से नेवला! जहां तक नेताओं की बात है वह सुपर बाजीगर होते हैं. वे अपने बोलबचन में जरा भी कंजूसी नहीं करते. जुमलों के जाल में जनता को जकड़ने में उनका जवाब नहीं होता. बिहार के बेहद पिछड़े मोतिहारी में देश के महान नेता ने जनता को गजब के सपने दिखाए. उन्होंने कहा कि जैसे पश्चिमी भारत में मुंबई है वैसे ही पूरब में मोतिहारी को संपन्न बनाएंगे. पुणे की तरह पटना में भी औद्योगिक विकास करवा देंगे. हम चाहते हैं कि सूरत के समान संथाल परगना का भी विकास हो. जयपुर के समान जलपाईगुड़ी और जाजपुर में टूरिज्म के नए रिकार्ड बनें. बेंगलुरू की तरह वीरभूम के लोग भी आगे बढ़ें. जैसे अवसर गुरूग्राम में हैं वैसे ही गयाजी में भी बनें. जिसने यह भाषण सुना, धन्य हो गया. अभी तक तो गया में पिंडदान करने लोग आते हैं. वह गुरूग्राम जैसी बन जाए तो उद्योगपति आकर अपनी तान छेड़ने लगेंगे. शायद छपरा को भी नोएडा जैसे बनाने का वादा कर दिया जाएगा. इमोशन का प्रमोशन कर हसीन सपने दिखाना भी एक परफार्मिंग आर्ट है. सपने देखने और दिखाने में पैसे नहीं लगते. कहा गया है- थिंक बिग, ड्रीम बिग, एक्ट बिग ! बड़ी सोच रखकर बड़ा सपना देखो! आसमान से लटकोगे तो खजूर पे अटकोगे. जिसे सपनों का संसार लुभाता है, वह गाता है- देखो मैंने देखा है ये एक सपना, फूलों के शहर में घर अपना !

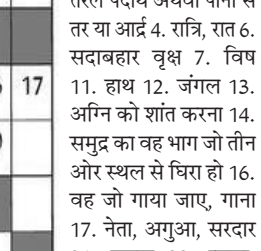

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

विन्ध्य की डायरी

कांग्रेस के सृजन अभियान के परिणाम की प्रतीक्षा में विन्ध्य

डॉ. रवि तिवारी

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष पूर्व कांग्रेसाध्यक्ष राहुल गांधी के प्रदेश में संगठन को मजबूत करने के फूकें मंत्र का असर कमजोर होता नजर आ रहा है. हालात यह है कि एक महीना से ज्यादा वक्त बीत जाने के बाद भी सृजन अभियान से निकलने वाले चेहरे सार्वजनिक नहीं हो पाए हैं.

बुरी तरह गुटबाजी में फसी कांग्रेस के लिए संगठन में किसी भी प्रकार का फेरबदल टेढ़ी खीर साबित हो रहा है. कहने के लिए कांग्रेस ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी और प्रदेश कांग्रेस कमेटी से प्रेक्षकों की लंबी चौड़ी फौज जमीनी स्तर पर मूल्यांकन के लिए भेजी थी.तय कार्यक्रम के मुताबिक प्रेक्षकों ने निचले स्तर तक जाकर स्थिति का आकलन भी किया.इसके बाद उस पूरे अभियान को लेकर वरिष्ठ नेताओं ने चुप्पी साध रखी है. ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस इनदिनों बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर ज्यादा गम्भीर है, इसलिए होने वाले फैसलों को फिलहाल टाला जा रहा है. ताकि किसी प्रकार का वातावरण न खराब हो.मध्यप्रदेश की राजनैतिक उठापटक का असर बिहार की राजनीति में सीधे पड़ेगा.हालांकि श्री गांधी के बारे में यह राय बन चुकी है कि वो परिणामों को लेकर बहुत गम्भीर नही होते जो निर्णय उन्हें लेने होते हैं वो ले ही लेते हैं. विन्ध्य में कांग्रेस संगठन किसी बड़े फेरबदल के इंतजार में है. नेताओ का मानना है कि सृजन अभियान का परिणाम आने पर बहुत कुछ बदल जाएगा.

बारिश ने विकास की पोल खोली

बिना किसी पूर्वानुमान के विन्ध्य के रीवा ,सतना, सीधी और सिंगरौली में किए गए विकास कार्यो ने गुणवत्ता को लेकर उठ रहे सवालों का जबाव बारिश ने दे दिया है. हालात यह है कि दो दिन की लगातार बारिश ने सभी जगहों पर बता दिया है कि मनमौजी विकास जनता के लिए भारी पड़ेगा.रीवा की स्थिति यह है कि सत्तापक्ष के विधायक ही खुलकर यह कहने लगे हैं कि रीवा को चारों ओर से बाईपास और रिंग रोड से घेर कर तालाब बना दिया गया है. यही वजह है कि थोड़ी सी बारिश में रीवा की गली मुहल्ला पानी मे डूबने लगते हैं. विकास की पहल करने वालो को मिली इस खुली चुनोती का हल खोजना होगा नही तो रीवा की जनता को कभी भी गम्भीर संकट से गुजरना पड़ सकता है.

चित्रकूट में बाढ़ के मायने

जंगल पहाड़ो के बीच बसे चित्रकूट में आए दिन आ रही बाढ़ ने अनियंत्रित ढंग से हो रहे कंक्रीट के विकास पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है. नवभारत ने कई अवसरों पर इस प्रकार के विकास पर स्थाई रोक लगाने का मसला उठाया था.इसके बावजूद जिम्मेदार एजेंसी ने कभी गौर नही किया.भौगोलिक दृष्टि से कटोरे जैसी संरचना में बसे चित्रकूट चारो ओर से ऊंची-ऊंची पहाड़ियों से घिरा हुआ है. यही वजह है कि वहाँ का तापमान शेष हिस्से से हमेशा अलग होता है. पहाड़ी नदियों के बीच बसे इस क्षेत्र में मिट्टी के बड़े-बड़े बीहड़ होते थे जो पहले पानी के आवेग को अपने दामन में समेट लेते थे .अब उन बीहड़ो को ढ़ह के ऊची-ऊची बहुमंजिला होटल और रेस्टोरेंट बना दिए गए हैं. जो बाढ़ का मुख्य कारण माना जा रहा है. प्रशासन को अब भी चेत जाना चाहिए ताकि समय रहते उचित प्रयास किए जा सकें. नही तो किसी केदारनाथ वाली घटना की पुनरावृत्ति हो जाएगी. फिर नक्शे में चित्रकूट ढूंढना पड़ेगा.

निशानेबाज

मोदी करते हैं हफ्ते में 100 घंटे काम नारायण मूर्ति ने लिया उनका नाम

पड़ोसी ने हमसे कहा, चिनशानेबाज, कुछ लोग अल्कोहलिक होते हैं तो कुछ वर्कोहलिक ! दूसरे किस्म के लोगों का काम करने का नशा होता है. वे किसी भी हालत में निक्रिय या निठल्ले रह ही नहीं सकते. उनके लिए कर्म ही पूजा है.

हमने कहा, काम जो भी हो, जैसा भी हो, उसे पूरी लगन और निष्ठा से कुशलतापूर्वक करना चाहिए. कृष्ण ने भी अर्जुन से कहा था कि निष्काम कर्म करो और फल की चिंता मुझ पर छोड़ दो. अपने भक्त के भरण-पोषण या योगक्षेम की व्यवस्था करना मेरी जिम्मेदारी है. इन्फोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति ने कुछ माह पूर्व कहा था कि युवाओं को सप्ताह में 70 घंटे काम करना चाहिए. इसे लेकर काफी बहस छिड़ी थी. कुछ लोगों की राय थी कि राष्ट्रनिर्माण के लिए इतने घंटे काम तो करना ही चाहिए. अन्य का मत था कि यह अव्यावहारिक व तकलीफदेह है. ज्यादा देर काम करने से स्वास्थ्य पर असर पड़ता है. 10 घंटे कुर्सी पर बैठने से रीढ़ की हड्डी में दर्द, ज्वाइंटपेन होने लगेगा. कंप्यूटर को

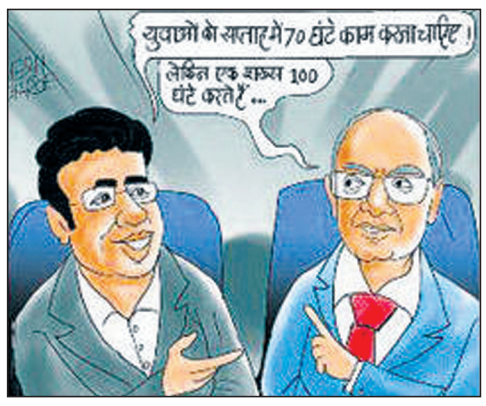

लगातार ताकने से नजर कमजोर हो जाएगी. बीपी और शुगर जैसी बीमारियां घेर लेंगी. व्यक्ति को घर की जिम्मेदारियों, सामाजिक संपर्क व मनोरंजन के लिए भी समय चाहिए. इंसान और मशीन में फर्क होता है.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, बीजेपी सांसद तेजस्वी सूर्या और नारायण मूर्ति मुंबई से बंगलुरू विमान प्रवास कर रहे थे. आपसी बातचीत में तेजस्वी ने कहा वह उनकी सलाह के मुताबिक 70 घंटे काम करने का प्रयत्न कर रहे हैं. इस पर नारायण मूर्ति ने कहा कि मैं हफ्ते में 100 घंटे काम करने वाले एकमेव व्यक्ति को जानता हूं, वह हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी.

हमने कहा, हर व्यक्ति का समर्पण भाव और एनर्जी लेवल अलग-अलग होता है. मोदी सुपर ह्यूमन हो सकते हैं. कोई वकील, डाक्टर, इंजीनियर या प्रोफेसर इतने घंटे काम नहीं कर सकता. श्रमिक वर्ग भी रोज 8 या 9 घंटे काम करने की क्षमता रखता है. यह सोचना होगा कि काम के लंबे घंटे महत्वपूर्ण हैं या काम की क्वालिटी ? कर्मठ होना अच्छी बात है लेकिन कितने ही लोग कामचोर होते हैं. व्यक्ति को हमेशा व्यस्त रहना चाहिए क्योंकि खाली दिमाग शैतान का घर होता है. कर्मठ और कुशल लोग ही समाज और देश को आगे बढ़ाते हैं. जापान की मिसाल सामने है.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 11968 -डॉ. सागर खादीवाला

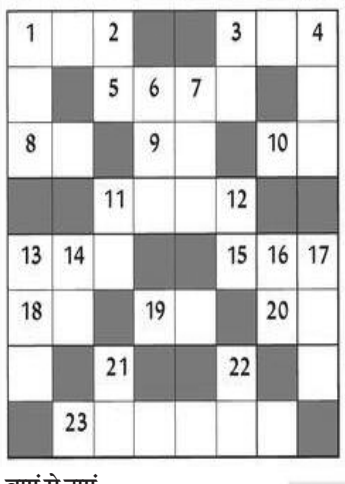

ऊपर से नीचे
1. किसी उद्देश्य से कही या कहलाई हुई कोई महत्वपूर्ण बात (मैसेज) 2. किंतु, लेकिन, गैर, पंख 3. किसी तरल पदार्थ अथवा पानी से तर या आर्द्र 4. रात्रि, रात 6. सदाबहार वृक्ष 7. विष 11. हाथ 12. जंगल 13. अग्नि को शांत करना 14. समुद्र का वह भाग जो तीन ओर स्थल से घिरा हो 16. वह जो गाया जाए, गाना 17. नेता, अगुआ, सरदार 21. मूषक 22. त्वचा, चमड़ा

बाएं से दाएं
1. क्रोध, आत्मग्लानि, दुख, गरमी (सं.) 3. अंदर, में 5. विवाह आदि पर रात भर जागना 8. ताकत, बल, सामर्थ्य 9. महीना, मास 10. अवश्य होकर रहने वाली घटना या बात 11. मधुर स्वर 13. ज्वर 15. पत्थर आदि का वह रंगीन चमकीला टुकड़ा जो शोभा के लिए आभूषण-अंगूठी आदि में जड़ा जाता है 18. छोटे-छोटे पेड़ों का समूह 19. भुने हुए अन्न (जौ, चने) का आटा 20. निश्चित ठहराया हुआ, निर्णात 23. वह बड़ा विद्यालय जहां उच्च शिक्षा दी जाती है

Solution 11967

चि	ल	बि	ल	■	आ	र	स
रै	य	त	■	ना	म	मा	त्र
या	■	ता	प	मा	न	■	वीं
■	ब	ना	ना	■	■	ह	■
शे	र	■	ह	क	दा	र	■
ख	मी	र	■	रा	म	फ	ल
चि	■	हं	गा	मा	■	■	ग
ल्ली	■	ट	■	त	पो	व	न

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में अत्याधिक परिश्रम केबाद आंशिक सफलता मिलेगी, मित्र के कारण विवाद होगा, मान प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें, मन में खिन्नता रहेगी, वर्ष के मध्य में घरेलू कार्यों में रूचि रहेगी, बैचारिक वाद विवाद होगा, सत्संग में मन शांत रहेगा, वर्ष के अन्त में राजनैतिक मित्र का सहयोग रहेगा, व्यवसाय में वृद्धि होगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को शासन से लाभ होगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को सत्ता का सुख रहेगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को सहयोग मिलेगा,सिंह राशि के व्यक्तियों को शिक्षा में रूचि रहेगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को अधिकारी के कोप का सामना करना पड़ेगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियोंको नवीन योजनों में पूँजी निवेश होगा, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों का सहयोग और सुख शांति रहेगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक मिलनसार, संतोषी, एकांतप्रिय महत्वाकांक्षी स्वाभाव का होगा. इनकी शिक्षा अच्छी होगी. नौकरी में अच्छी सफलता प्राप्त होगी. माता पिता के प्रति आस्थावान और स्नेही रहेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

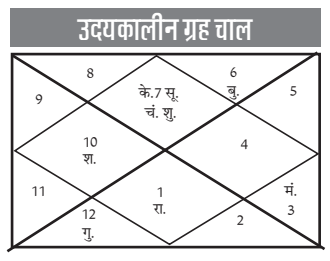

पंचांग

रा.मि. 30 संवत् 2082 श्रावण कृष्ण एकादशी चन्द्रवासरे दिन 8/3, रोहिणी नक्षत्रे रात 8/41, वृद्धि योगे रात 7/1, बालव करणे सू.उ. 5/19 सू.अ. 6/41, चन्द्रचार वृषभ, पर्व-कामदा एकादशी व्रत, श्रावण सोमवार व्रत, शु.रा. 2,4,5,8,9,12 अ.रा. 3,6,7,10,11,1 शुभांक-4,6,0.

व्यापार भविष्य

श्रावण कृष्ण एकादशी को रोहिणी नक्षत्र के प्रभाव से गुड़ खांड, के भाव में उठाल आयेगा. लाल रंग की वस्तुओं में तेजी होगी. रूई, चांवल सरसों, लाख गेहूँ, चना, के भाव में वृद्धि होगी. आज बाजार का रूख देखकर कार्य करें. भाग्यांक 6068 है.

मेष- खानपान में सावधानी रखें. कारोबारी साझेदारी लाभदायक रहेगी. धर्म में आस्था बढ़ेगी. आश्वासनों को पूर्ण नहीं कर पायेंगे.

वृषभ- विरोधियों को मात देने में सफल रहेंगे. प्रियजन से मुलाकात सुखद रहेगी. आर्थिक क्षेत्र में चल रहा प्रयास सफल होगा. मनोरंजन आदि के योग है.

मिथुन- अधिकारियों से बातचीत में नरमी बरतें. अचानक नई बात सामने आ सकती है. परिणाम सुखद एवं लाभदायक अनुकूल रहेंगे. शुभचिन्तकों की मदद मिलेगी.

कर्क- अधिकारियों से तालमेल बना रहेगा. अनावश्यक खर्च से परेशानी होगी. आजीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी. परिवर्तन के प्रयास सार्थक होंगे.

सिंह- कानूनी मामले में अनदेखी करके परेशानी बढ़ा लेंगे. कार्य योजना में बदलाव से लाभ होगा. आर्थिक योजना को बल मिलेगा. पद प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी.

कन्या- लंबित योजनायें फिर से शुरू हो सकती हैं. कार्यस्थल पर विवाद से तनाव बढ़ेगा. कोइ ऐसा कार्य बनेगा, जिससे आपको आत्म संतोष प्राप्त होगा.

तुला- बिना मांगे दूसरों को सलाह देना भारी पड़ सकती है. आय व्यय का संतुलन बनाकर चलें. छोटी मोटी बातों पर उत्तेजित होकर अपना काम न बिगाड़े.

वृश्चिक- वाहन खरीदने का मन बनेगा. गलतफहमी से रिश्तों में दरार आयेगी. अपनों का भरपूर सहयोग मिलेगा. जारी प्रयास सफल और सार्थक होगा.

धनु- कार्यक्षेत्र में अधिकार और बर्चस्व बढ़ेगा. सहयोगी उपलब्धियों से ईर्ष्या करेंगे. पारिवारिक सुख संबंधों में निकटता आयेगी. पुरस्कार लाभ का योग है.

मकर- प्रभावशाली लोगों के संपर्कों का लाभ होगा. व्यापारिक साझेदारी लाभकारी रहेगी. पारिवारिक स्तर पर सामंजस्य बैठाने का प्रयास करें.

कुम्भ- सामाजिक कार्यक्रमों में बढ़चढ़कर हिस्सा लेंगे. मेहनत के शानदार परिणाम मिलेंगे. धन व्यय होगा. व्यवसायिक समस्याओं का सरलता से समाधान होगा.

मीन- मन की बात अपनों से कह दें, संबंधों में मधुरता आयेगी.यात्रा का योग है. विरोधी वर्ग सक्रिय रहेगा. आर्थिक क्षेत्र में किया गया प्रयास सफल होगा.

SUDOKU 7100

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7099

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4